

# असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग III-क्षण्ड 1 PART III -Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 5] No. 5] नई विस्ती, मंगलवार, प्रवर्तवर 12, 1982/प्रास्थिन 20, 1904 NEW DELHI, TUESDAY, OCT. 12, 1982/ASVINA 20, 1904

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विमाग)

केम्बरिय प्रस्यक्ष भार बोर्ड

कार्यालय सहायक आधकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज

जायकर अधिमियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269 च (1) के अधीन सूचमा

जयपुर, 5 भन्तूबर, 1982

संख्याः राजसहां आ० अर्जमं 1394. — यतः मुझे मोहन सिंह धायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिमका उचित मूख्य 25,000 ठ० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं 13सी है तथा जो जयपुर में न्यित है, (और इसमे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विजय है) रिजर्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यास्य अयपुर में, रिजर्द्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-1-1982 की पूर्वीकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के पूच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित यों) के बीच ऐसे

अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रांतफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्पविक रूप मे कथित नहीं किया गया है :--

- (भा) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय भी बाबत, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 का (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए गौर या
- (ख) ऐसी किसी धाय था किसी धन या घन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27). के प्रयोजनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपान में मुनिधा के लिए;

श्रतः भ्रव उक्त भ्रधिनियम की धारा 269ग के अनुभरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269भ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों, भ्रयति :----

- (1) श्री विष्णु मिह पुत्र श्री णम्भ ध्यास स्वय एवं मुख्तार श्राम कुमुम भट नागर एवं प्रस्थ, नी-1, स्टाफ नवार्टर्स, जै०डी कालीज, देहली (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमनी मीना बडेर परिन श्री जी सी बडेर, 13 सी, स्यू कालोनी, जयपुर (श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के खर्जन के लिए कार्यवाहियां

836 GI/82

\_\_\_\_\_

करला हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध से कही श्रीक्षीय -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की मनीध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनीध, जो भी भनीध बाद से समाप्त होती हा के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की नारीख से 45 दिस के भीतर उक्त स्थाबर मस्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, भाधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्व्धाकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दी सीर गदी का, जो धायकर घिनिसम, 1961 (1961 का 43) के सध्याय 20क में परिभावित है, यही सर्व होगा जो उस अध्याय में पिता गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति स्थित प्लाटनं ० 13 सी, स्यू कालोनी, जयपुर मा उप पंजीयक जयपुर द्वारा कम सख्या 75 दिनोक 23-1-82 पर पंजिबद्ध विकय पक्ष में भीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

# MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

Central Board of Direct Taxes

Office of the J.A.C Acquisition Range,

Central Revenue Building, Jaipur

NOTICE UNDER SECTION 269D [I] OF THE INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jaipur, the 5th October, 1982

No. Rej/IAC(Acq.)/1394.—Whereas, 1, Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax, Act, 1961 (43 of 1961) (berein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Plot. No. 13-C situated at Jaipur, (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registerting Officer at Jaipur on 23-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there of by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) farilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act,

1922 (11 of 1922) or the said  $\Delta(t, c_1)$  he we lith-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Vishnu Singh, S/o Shri Shambu Dayal Self (Transferor) CPA holder of Kusum Bhatnagar and Others B-1. Staff Quarters, I D. College, Delhi

- (2) Smt. Meena Bader, W/o Shri G. C. Bader (Transferce) 13-C, New Colony, Jaipur.
  - objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
  - (b) by any other persons, interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used berein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULF**

Property situated at Plot No. 13-C. New Colony, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No 75 dt. 23-1-82.

आपंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के अधीन मूखना

#### जयगुर, ५ भ्राक्तूबर, 1982

आवेश संख्याः राज/ सहा० आ अर्जन 1396 — यत. मुझे मोहन सिंह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की घारा 260 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मृत्य 25000 क० से अधित है और जिसका सं० भूमि है तथा जो जोघपुर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोघपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन, के तरीख़ 4-1-1992 को पूर्यांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्य मान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्यास करने का बारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्य मान अतिकल से, ऐसे दृश्यमान अतिकल के एव्ह प्रतिशत से अधिक है, घौर अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित । अन्तरितियो) के यीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन सर्देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए और या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर प्रक्षितियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर प्रक्षितियम 1961 (1901 का 43) या धन कर प्रिक्षितियम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोजनार्थ मन्तौरती विदार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृविधा के लिए;

धतः प्रश्न उक्त प्रधितियम की धारा 269 (ग) के धन्सरण में, मैं उक्त प्रधितियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ध्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयति(---

(1) श्रीमनी श्रमृत बाई परिन श्री श्रत्रल्जी गांधी, श्राफिसमें मेस के सामने पुराना पाली रोड जौधपुर (ग्रस्तरक) (2) श्री सीनाराम पृत्त हरजी विश्नोर्ड. जौधपुर

(भ्रन्त(रसी)

को यह सूमना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता है। उक्त सम्पत्ति के ग्रार्गन के सस्बन्ध में कोई भी घार्लप----

- (क) इस सूचना ने राजगत्न में प्रकाणन की नारी अ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों गर सूचना की नामीण से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविध बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति अगि,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन को नारिश्व में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोष्टस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--- इसमें प्रयुक्त अन्दों ग्रीर पदों का, जो ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रष्टवाय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

# अम् सूची

धाकिसमं मेस के सामने, घोल्ड पाली रोड, जोधपुर पर स्थित 214 गज जर्माल जो उप प्रकोषक, जीधपुर द्वारा कम संख्या 44 दिनाक 4-1-82 पर पंजाबद्ध विकल पत्न में और विस्तृत नप में विवरणित है।

# NOTICE UNDER SECTION 269D [1] OF THE INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jaipur, the 5th October, 1982

Ref. No.: Rej/IAC (Acq.)/1396.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B or the Income-Tax, Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registerian Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 4-1-1982 for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there of by more than fifteen porcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act,

1922 (11 of 1922) or the said  $\Lambda ct$  or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initicate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Amrit Bai. W/o Shri Achaluji Gandhi, (Transferor) In front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur.
- (2) Shri Sona Ram, S/o Harji Bishnoi, Jodhpur, (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said

property may be made in writing to the under-signed :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressing used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 214 sq. yds. (free hold) situated in front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur, vide No. 44 dated 4-1-82.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

# जयपुर, 5 अक्तूबर, 1982

आवेश संख्याः राज्य० सहा० आर्जन/1397 --- यतः मुझे मोहल सिंह, आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात (उक्त अधिनयम भहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जिलत मूह्य 25,000 रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो जीधपुर में स्थित है, (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से यणित है) रजिस्ट्रीकृत प्रधिकारी के कार्यालय जीधपुर में, राजस्ट्रावरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4-1-1982 को पूर्वोचन सम्पत्ति के जिलत बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का जिलत बाजार मूह्य, जसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है, श्रीर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किलत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, भायकर मधिनियम, 1961 का (1961 का 43) के धधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे धचने में सुविधा के लिए भीर या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों की जिन्हें भारतीय भाय कर भिवितियम, 1922 (1922 का 11) था भायकर प्रिवितियम 1961 (1961 का 43) या धन कर प्रिवितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती कारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भवं उमत भिवित्यमं की भारा 269 ग के ममुसरण में, उमत भिवित्यमं की भारा 269मं की उपंचारा (1) के भवीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों, भवीत् :----

(1) श्रीमती अमृत बाई पत्नि श्री अवलूजी गांधी, श्राफिसर्स मेस के सामने, श्रोल्ड पाली रोड, जोछपुर (अन्तरक)

- (2) श्लो पोकर राम पुत्र श्ली खूजाराम, राहिया गीढानी, जोधपुर (मन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के श्लर्जन के लिए कार्य-बाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के मजन के सम्बन्ध में काई भी भाक्षेप;--
  - (क) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की द्वामील से 30 विन को प्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
  - (छा) इस सूचना के राज पत्न में प्रकाशन को तरी जिल्ल से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति हारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो आयकर प्रोधिनिथम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहां भर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूर्ची

214 वर्ग गज होस्ड भूमि स्थित ग्राफिससं मेस के सामने, मोल्ड पालो राय, जोधपुर जो उन पंजायक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 43 विनाक 4-1-82 पर जिल्हा निकाय पत्र में श्रार विस्तृत रूप में निवरणित है।

NOTICE UNDER SECTION 269D [I] OF THE INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Japut, the 5th October, 1982

Ref. No.: Rej/IAC (Acq)/1397.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax, Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a lair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri, Land situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerting Officer at Jodhpur on 4-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there of by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purpose of the Indian Income-tax Act,

1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initicate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Amrit Bai W/o Shri Achaluji Gandhi, In front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur. .....Transfertor
- (2) Shri Pokar Ram, S/o Shri Khoja Ram, Rahida Ki Dhani, Jodhpur. ...Transferee objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of

- this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 214 sq. Yds. (free hold) situated in front of Officer's Mess Old Pall Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registerd by S. R., Jodhpur, vide No. 43 dated 4-1-1982.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269ध (1) केअधीम सुबना

# जयपुर, 5 मन्तूबर, 1982

आवेश संख्याः शांक शहरा० आं० आंका / 1398.— यतः मुझे मोहन सिंह, आयकर श्रिशित्यम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाप् 'उपन अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्रिधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित मृत्य 25,000 क० से अधिक हैं और जिसका सं० भूमि है नथा जो जौधपुर में स्थित है, (और इससे उपायब अनुमूची में और पूर्ण रूप में वींणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 जनवरी, 1982 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बाज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नाशिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखन में वास्त्रविध रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) झन्नरण से हुई किसी स्नाय की बाबत, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के झधीन कर देने के झन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए स्रोत या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11 या) श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रव उनत प्रधिनियम की धारा 269म के प्रमुसरण में, मैं, जनन प्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्न लिखिन व्यक्तियों, प्रथीत् :--

- (1) श्रीमती श्रमृत बाई परिन श्री श्रचलूकी गांधी . श्राफिसमें मेस के सामने, श्रोल्ड पाली रोड, जौधपुर (श्रन्तरक)
- (2) जोगा राम पुत्र श्री पन्ना राम, गुढा श्रिक्तोई, जीक्षपुर (प्रस्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---
  - (क) इस सूचना के राज पत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील पर

- 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्माश में हितबद्ध किसी भन्म व्यक्ति द्वारा, भन्नीहरूनाक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण---इसमें प्रमुक्त भन्दों भीर पदों का, जो भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भन्दाय 20क में परि-माषित हैं, वहां भर्ष होगा जो उस भन्दाय में दिया गया है।

## अनुसूची

214 वर्ग गज की हीएड भूमि, स्थित ग्राफिसर्स मेस के सामने, गोल्ड पाली रीड,जीधपुर जो उप पंजीयक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 42 विनांक 4-1-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

# NOTICE UNDER SECTION 269D [I] OF THE INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jaipur, the 5th October, 1982

Ref. No.: Rej/IAC (Acq.)/1398.—Whereps I Mohan Singh being the competent authority under Section 269A of the Income-Tax, Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerting Officer at Jodhpur on 4-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there of by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Amiit Bal, W/o Shri Achaluji Gandhi, in front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur....Transferor
- (2) Shri Joga Ram, S/o Panna Ram, Gurha Bishnoi, Jodhpur .....Transferce

- objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### **SCHEDULE**

Land measuring 214 sq. yds. (free hold) situated in front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur, vide No. 42 dated 4-1-82.

आधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की छारा 269च (1) के अधीन सुचना

जयपुर, 5 मन्त्वर, 1982

सावेश संख्या राज्य / सहा व्याप अर्जन / 1399.—यतः सुन्ने मोहन सिंह, प्रायक्तर प्रधिनियम 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथ्वात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित सूल्य 25,000 द के सप्रधिक है और जिसकी सं जिपनित हैं ज्या जो जौधपुर में स्थित हैं, (भीर इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से बणित हैं) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रिजस्ट्रीकरण धिमियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-1-1982 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूय-मान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है, और मन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उन्नर प्रत्य प्रति में वास्तिक कुप से कियत महीं किया गया है :—

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी माय की बायत, मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए गौर या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों की जिन्हें. भारतीय प्राय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः श्रव उक्त भिविनियम की धारा 269 ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त मिविनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्न-लिखिन व्यक्तियों, प्रथीत् :----

(1) श्रीमसी झमृत बाई, पिल्न श्री झसलूजी गांधी, झाफिसर्स मेस के सामने, झोल्ड पाली रोड, जयपुर (झल्लारक) (2) श्री झालाराम, पुत्र श्री गोगाराम, गुढा बिस्नोंक, जीधपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीला से 45 बिन की अविधि या तसंबंधी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धर्वाध बाद में समान होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, बाधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो श्रायकर भीविनयम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिभाजित है, वहीं भर्ष होंगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

21.4 वर्ग गज जर्मात स्थित आफिसमें मेम के सामने, श्रोल्ड पाली रोड, जी।प्रपुर जो उप पंजीयक, जौधपुर क्षार। क्षम संख्या 41 विनांक 4 जनवरी, 1982 पर पंजीयद्ध निकय पत्त में श्रीर विस्तृत रूप में विवर्णित हैं।

## NOTICE UNDER SECTION 269D [1] OF THE

INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jaipur, the 5th October, 1982

Ref. No.: Rej/IAC (Acq.)/1399.—Wherens, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax, Act, 1901 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and hearing No. Agri. Land situated of Jodhpur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1903 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Jodhpur, on 4-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeside property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acr in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Iudia Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act. I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Amrit Bai, W/o Shri Achaluji Gandhi, In front of Officer's Mess. Old Pali Road, Jodhpur .....Transferor

- (2) Shri Jhala Ram, S/o Shii Goga Ram, Gurha Bishnoi, Jodhpur .....Transferce
  - objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULF**

Land measuring 214 sq. yds. (free held) situated in front of Officer's Mess. Old Pall Road, fodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur, vide No. 41 dated 4-1-1982.

# आयकर अधिनिथम 1061 (1961 का 43) की घारा 269ध (1) के अधीन सुचना

जयपुर, 5 अक्तूबर, 1982

आवेश संख्या. राज०/संस्।०आ० अर्जन/1400.—यतः मुमे मीहन सिंह, धायकर मिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उस्त भिवित्यम कहा गया है) को धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मृत्य 25,000 थ० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जौधपुर में स्थित है. (और इससे उपावद अनुसूची में भोर पृणे रूप में विणित है) प्लाट रिजर्ड्डाकर्ता अधिकारी के कार्याच्य गौध पुर्ण रूप में विणित है) प्लाट रिजर्ड्डाकर्ता अधिकारी के कार्याच्य गौध पुर्ण में, रिजर्ड्डाकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अर्धान, ताराख 14-1-1932 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम में दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास तरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से किया है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (प्रन्तरितियो) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य या उक्त अन्तरण रिखन में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयं की बाबत, आयंकर अधिनियम,
   1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के दीयंख में कभी करने या उससे अखने में सुविधा के लिए और या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अन्य घास्तियों को जिन्हें मारतीय आय कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या अध्यकर धिर्धानयम 1961 (1961 का 43) या धन कर ग्रेंघिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे झक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए,

श्रतः भव उक्त भिधिनियम की धारा 269ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्न-ितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती सुमन जोशी पत्नि श्री नन्द किशोर जोशी, जौधपूर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सक्ष्मी सिम्नयी पतिन श्री तस्त्रतगाज सिम्नयी, 10-मी रोक्ष, सरवारपुरा, जौधपुर (अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवन सम्पत्ति के ग्राजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के ग्राजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राज पत्न में प्रकालन के नारीक्ष मे 45 दिन की अविधि सा नन्मंत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तार्माल से 36 दिन की अविधि, जो भी श्रव्यंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति दारा,
- (ख) इस सूचमा के राज पत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताकारी के पाम लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण⊸इसमें प्रयुक्त णब्दों भीर पदों का, जो श्राप्रकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

#### **श्रनुसूर्चा**

500 वर्ग गज फीहांल्ड लेण्ड, स्थित प्लाट नं० १६, चीरघर, मसूरिया चौपासनी रोड, जौधपुर जो उप पंजीयक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 178 दिनांक 14-1-82 पर पंजीयद्ध विकय पत्न में झीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह. सक्षम प्राधिकारी

NOTICE UNDER SECTION 269D [I] OF THE

INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jaipur, the 5th October, 1982

Ref .No. Rej/IAC (Acq.)/1400.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax, Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 14-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there of by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act or the wealth-tax 1957 (7 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Suman Joshi, W/o Shri Kishore Joshi, Jodhpur, .... Transferor
- (2) Shrimati Laxmi Singhvi, W/o Shri Takhat Raj Singhvi, 10-C, Road, Sardarpura, Jodhpur. .....Transferee

objections, if any, to the acquisition of the said, property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Pree-hold land measuring 500 sq. yds. situated at Plot No. 86. Cheer Gar, Masuria, Chopasani Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jodhpur, vide no. 178 dated 14-1-82.

MOHAN SINGH, Competent Authority

some of the second of the seco